211759

AECHN-22

Reg. No. | | | | | | | | |

II Semester B.Com./M.B.S./B.Com. (H)/B.T.T.M./B.Com.(I) Degree Examination, May/June - 2026

LANGUAGE HINDI

'Kavya Sudha', Patra Lekhan Aur Sankshepan

(SEP Scheme Freshers & Repeaters 2024-25 Onwards)

Paper - II

SRN ADARSH COLLEGE
LIBRARY
CHAMARAJPET, BENGALURU

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) चातक पक्षी के लिए किस नक्षत्र के बिना सब धूल के समान है?
2) वृंद के अनुसार सच्च और झूठ में कितने अंगुल का अंतर होता है?
3) मीरा के आराध्य देव कौन हैं?
4) 'पंतजी' के अनुसार हमारा देश कब आज़ाद हुआ था?
5) कवि 'दिनकर' किसकी भीख माँगते हैं?
6) डॉ.मूडुनाकूडु चिन्नस्वामी किस प्रकार का अक्षर बन गए हैं?
7) कवि जितेंद्र श्रीवास्तव किस शहर में लौटना नहीं चाहते थे?
8) "उस दिन का जंगल" कविता के कवि का नाम लिखिए।
9) कवि अशोक वाजपेयी के अनुसार कहाँ से अहरह गान गूँजते हैं?
10) मोचीराम के लिए हर आदमी किसके समान है?

II. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) बात कहन की रीति में, है अंतर अधिकाय।
एक वचन तैं रिस बढै,एक वचन तैं जाय।।

2) मीरा मगन भई,हरि के गुण गाय।
साँप पेटारा राणा भेज्या,मीरा हाथ दीयों जाय।
न्हाय धोय देखण लागीं,सलिग्राम गई पाय।
ज़हर का प्याला राणा भेज्या, अमरित दीन्ह बनाय।
न्हाय धोय जब पीवण लागी,हो गई अमर अंचाय।
सूल सेज राणा ने भेजी, दीज्यों मीरा सुवाय।

[P.T.O.

SRI ADARSH COLLEGE LIBRARY CHAMARAJPET, BENGALURU

3) नव जीवन का वैभव जाग्रत हो जनगण में,
आत्मा का ऐश्वर्य अवतरित मानव मन में।
रक्त सिक्त धरणी का हो दु:स्वप्न समापन,
शांति प्रीति सुख का भू स्वर्ग उठे सुर मोहन।

III. निम्नलिखित में से किन्हीं दो कविताओं का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(2×15=30)**

1) वहीं से आऊँगा
2) 15 अगस्त 1947
3) जरूर जाऊँगा कलकत्ता।

IV. किसी एक कविता पर टिप्पणी लिखिए।। **(1×6=6)**

1) आग की भीख।
2) राख ही जानती है जलने का ताप।

V. सुज्ञान पुस्तकालय,जयनगर, बैंगलूरू -560041 की ओर से नेशनल बूक डिपो,दरियागंज,नई दिल्ली 110002 को प्रकाशित हिन्दी पुस्तकों की नवीनतम सूची भेजने की मांग करते हुए एक पत्र लिखिए। **(1×10=10)**

(अथवा)

सूर्या बुक स्टोर,चिकपेट,बैंगलूरू -560053 की ओर से राजपाल एँड संस,सी.वी.रोड,नई दिल्ली को मंगाई गई पुस्तकों के समय पर न पहुँचने की शिकायत करते हुए एक पत्र लिखिए।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। **(1×10=10)**

शिक्षा मनुष्य के जीवन को दिशा देने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम ही नहीं,बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास का आधार भी है। शिक्षा मनुष्य को सही और गलत में भेद करना सिखाती है तथा उसें समाज का जिम्मेदार नागरिक बनाती है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को भली–भांति समझाता है और समाज के विकास में सक्रिय योगदान देता है। शिक्षा के माध्यम से मनुष्य में आत्मविश्वास,विवेक और नैतिकता का विकास होता है। भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में शिक्षा का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि यह विभिन्न समुदायों के लोगों को आपसी समझ और सहयोग की भावना से जोड़ती है। आज के आधुनिक युग में शिक्षा के बिना प्रगति की कल्पना भी नहीं की जा सकती। विज्ञान,तकनीक, उद्योग और सामाजिक विकास के सभी क्षेत्रों में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा व्यक्ति को केवल रोजगार के अवसर ही नहीं देती, बल्कि उसे जीवन जीने की कला भी सिखाती है। इसलिए प्रत्येक समाज का यह कर्तव्य है कि वह सभी नागरिकों को समान रूप से शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करे। जब समाज के सभी वर्ग शिक्षित होंगे,तभी देश सच्चे अर्थों मे प्रगति कर सकेगा। इस प्रकार शिक्षा केवल व्यक्ति के जीवन को ही नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य को भी उज्जवल बनाती है।